TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

पुण्यतिथि विशेष

09 फरवरी 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

कभी भी सपने में मत जियें ये आपकी प्रगति में रुकावट का कारण बन सकता है।

बाबा आम्टे

(समाजसेवी)

जन्म: 26 दिसम्बर 1914 मृत्यु: 09 फरवरी 2008

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar
The Change Makers

Email us : teachersofbihar@gmail.com

दिवस ज्ञान

09 फरवरी

Gyan Drishti

Diwas Gyan

विक्रम संवत् 2081, माघ माह, शुक्ल पक्ष, द्वादशी तिथि, रविवार 09 फरवरी 2025

संपादक – शशिधर उज्ज्वल मोबाइल न0– 7004859938 email : ujjawal.shashidhar007@gmail.com

आज का विचार

"खुशी बनी–बनाई चीज नहीं है। यह हमारे स्वयं के कर्मों से प्राप्त होती है।"

–दलाई लामा

"Happiness is not something readymade. It comes from your own action."

– Dalai Lama

आज के दिन

1951– स्वतंत्र भारत में पहली जनगणना के लिए सूची बनाने का काम शुरू किया गया।

1962– अमेरिका ने नेवादा में परमाणु परीक्षण किया।

1971– नासा द्वारा चांद पर भेजा गया अपोलो–14 अंतरिक्षयान धरती पर सकुशल लौटा।

2008– सामाजिक कार्यकर्ता बाबा आमटे का निधन हो गया था। बाबा आमटे को 1971 में पद्मश्री, 1985 में रेमन मैग्सेसे और 1986 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था।

1. **कॉपरनीसियम' नामक तत्व की खोज**– कॉपरनीसियम' नामक तत्व की खोज 9 फरवरी, 1996 ई. को डॉक्टर सीगर्ड हॉफमैन, विक्टर नीनोव एवं उनके सहयोगियों ने की। इस तत्व को प्रयोग''ााला में बनाया गया था। जी एस आई हेलमोरज सेन्टर फॉर हैवी आयन रिसर्च, डार्मस्टेट, जर्मनी में वैज्ञानिकों ने जिंक (जस्ते) के परमाणुओं को वहां मौजूद 120 मीटर लम्बे हैवी आयन लीनियर एक्सीलेटर (यूनीलैक) में चार्ज किया। जिंक के ये उत्तेजित परमाणु (आयन) जब लगभग प्रका''ा की गति से सीसे के लक्ष्य से टकाराये तो एक नये तत्व का एक परमाणु उत्पन्न हो गया। इस परमाणु का परमाणु क्रमांक जस्ते के परमाणु क्रमांक (30) व सीसे के परमाणु क्रमांक (82) के योग के बराबर (112) था। सीगर्ड हॉफमैन एवं उनके सहयोगियों ने महान खगोलविद् निकोलस कॉपरनिकस के नाम पर इसका नाम 'कॉपरनीसियम' रखा। इसका परमाणु भार 285.17 होता है।

दिवस प्रेरणा 36

माइकल एंजेलो

(प्रसिद्ध मूर्तिकार और चित्रकार)

कला को ही अपनी दुनिया मानता रहा ...

संघर्ष

माइकल एंजेलो के पिता फ्लोरेंस एक कुलीन, लेकिन गरीब व्यक्ति थे। उन्हें की स्कूल में कम रूचि थी और कलाकारी ज़्यादा पसंद थी। उन्होंने बहुत धन कमाया पर वह अपने ऊपर बहुत कम खर्च करते थे और गरीबों की तरह रहते थे। वे एक मामूली सी मकान में रहते थे और बहुत सादा भोजन किया करते थे। साधारण से वस्त्र पहना करते थे। वे अधिकांश समय अपने कला को जीवंत रूप देने में मग्न रहा करते थे। कई बार वे अपने कपड़े और जूते पहने–पहने ही सो जाया करते थे। पैरों में तकलीफ होने के कारण वे कई–कई दिनों तक जूते नहीं उतारते थे। कई बार जब बहुत लम्बे समय के बाद वे जूते उतारते थे तो पैरों की गली हुई त्वचा भी उनके साथ ही उतर जाती थी।

सफलता

माइकल एंजेलो की मूर्तिकला, चित्रकला और वास्तुकला विश्व की महानतम कृतियों में गिनी जाती है। बीस वर्ष की ही आयु में 'प्रसुप्त कामदेव' की मूर्ति बनाई। फिर 'डेविड' की मूर्ति से बड़ा यश कमाया।जब माइकल एंजेलो साठ वर्ष का था तब पोप पाल तृतीय ने उसे अपना प्रधान वास्तुकार, मूर्तिकार और चित्रकार नियुक्त किया था। उसने सिस्टाइन गिरजाघर के छत की चित्रकारी की, जो आज भी दुनिया भर में बेजोड़ मानी जाती है। उसने कभी शादी नहीं किया और कला को ही अपनी दुनिया मानता रहा।

संकलन : शशिधर उज्ज्वल ई मेल- ujjawal.shashidhar007@gmail.com
प्रस्तुति: टीचर्स ऑफ बिहार contact us : www.teachersofbihar.org \ info@teachersofbihar.org

website: https://www.teachersofbihar.org/publication/diwasgyan https://www.teachersofbihar.org/publication/gyandrishti

Teachers of Bihar
The change makers

दिवस विशेष

9 फरवरी

मधु प्रिया

लेखक विष्णु खरे का जन्म 9 फरवरी

विष्णु खरे भारतीय कवि, अनुवादक, साहित्यकार, पत्रकार, पठकथा लेखक थे। हिंदी साहित्य के रुप में जीवन चलाने का जो जरिया चुना था उस समय वो उनके लिए नाकाफी रहा। जीवन भर हिंदी साहित्य की सेवा करने वाले इस सख्स की एक अलग ही पहचान है। एक विचारक के रूप में अपनी भूमिका बनाने वाले इस हिंदी साहित्यकार का जन्म सन 9 फ़रवरी सन 1940 में छिंद्वाडा जिले के एक छोटे से गाँव में हुआ था। विष्णु खरे एक मध्यम वर्गीय परिवार के सदस्य थे। इन्हें बाल्यकाल में अनेकों समस्याओं का सामना करना पड़ा। खरे जी ने अपनी प्रारम्भिक शिक्षा छिंद्वाडा मध्य प्रदेश में ही पूरी की। 1963 ईसवी में इन्होंने इंदौर के क्रिश्चियन कालेज से अंग्रेजी साहित्य में परस्नातक की उपाधि प्राप्त की। एम. ए. करने के बाद विष्णु खरे ने दैनिक समाचार, इंदौर समाचार में 1962-1963 के मध्य उप संपादक के रूप में अपनी सेवाओं को दिया और यहीं से विष्णु खरे ने पत्रकारिता की दुनिया में अपना कदम रखा।

इसके बाद पत्रकारिता को एक नया आयाम देने के लिए वे और अधिक प्रयास करने लगे। पत्रकारिता के साथ-साथ विष्णु खरे ने अपनी 1963 के मध्य दिल्ली एवं मध्य प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालय में अध्यापन का कार्य प्रारम्भ कर दिया। अध्यापन कौशल के माध्यम से वे छात्रों को उचित मार्गदर्शन प्रदान करने लगे। इसी के चलते खरे जी ने 1966-ईसवी में अपनी लघु पत्रिका ''व्यास'' का संपादन किया। हिंदी साहित्य के प्रति खरे जी का ज्ञान देखकर हिंदी साहित्य अकादमी मंडल ने इन्हें उप सचिव के पद पर नियुक्त किया। हिंदी अकादमी के उपाध्यक्ष, सुप्रसिद्ध कवि एवं पत्रकार विष्णु खरे का 19 सितंबर 2018 को दोपहर साढ़े तीन बजे दिल्ली में निधन हो गया।

पुण्यतिथि विशेष 09 फरवरी

राकेश कुमार

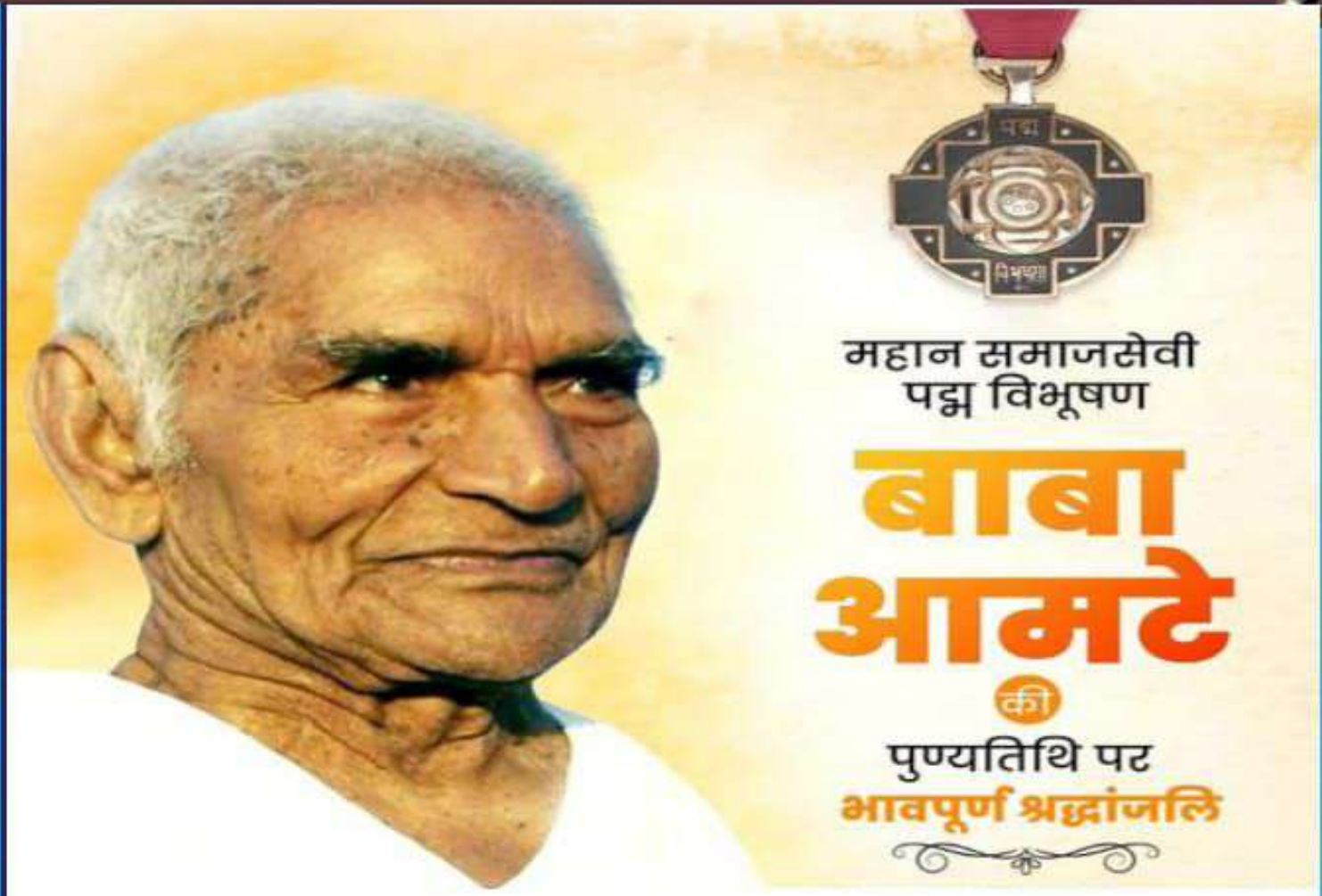

बाबा आम्टे पूरा नाम 'मुरलीधर देवीदास आम्टे' *Baba Amte*, जन्म: 24 दिसंबर 1914 महाराष्ट्र - मृत्यु: 9 फरवरी 2008 महाराष्ट्र) विख्यात सामाजिक कार्यकर्ता, मुख्यत: कुष्ठरोगियों की सेवा के लिए विख्यात 'परोपकार विनाश करता है, कार्य निर्माण करता है' के मूल मंत्र से उन्होंने हजारों कुष्ठरोगियों को गरिमा और साथ ही बेघर तथा विस्थापित आदिवासियों को आशा की किरण दिखाई दी।

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 09.02.2025

चिंतनशील कौशल

चिंतनशील कौशल, अपने अनुभवों का विश्लेषण करने और उससे सीखने की क्षमता है. यह एक मूल्यवान कौशल है जो व्यक्ति को अपने सीखने और काम करने के तरीके को बेहतर बनाने में मदद करता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

ट्रॉयथलन क्या है?

ट्रायथलॉन एक मल्टी स्पोर्ट इवेंट होता है। इसमें 3 डिसिप्लिन **स्विमिंग, साइकिलिंग** और **रनिंग** शामिल हैं। ट्रायथलॉन में, प्रतियोगी फिनिश लाइन तक पहुंचने के लिए रेस का हिस्सा होते हैं और जो एथलीट इस प्रतिस्पर्धा में सबसे पहले **फिनिश लाइन** तक पहुंचता है उसे विजेता घोषित किया जाता है।

ओलंपिक में ट्रायथलॉन के नियम?

तैराकी में
1.5 किमी की रेस

साइकिलिंग में
40 किमी की रेस

रनिंग में
10 किमी की रेस

क्या है इतिहास?

ट्रायथलॉन का अविष्कार **संयुक्त राज्य अमेरिका** में सैन डिएगो ट्रैक क्लब द्वारा **1970 के दशक** की शुरुआत में ट्रैक ट्रेनिंग के विकल्प के तौर पर किया गया था।

ओलंपिक और ट्रायथलॉन

सिडनी 2000 ओलंपिक खेलों में ट्रायथलॉन का डेब्यू हुआ था। तब से ग्रीष्मकालीन ओलंपिक प्रोग्राम का हिस्सा रहा है।
टोक्यो ओलंपिक 2020 में व्यक्तिगत प्रतियोगिता में बरमूडा के लिए पहला गोल्ड मेडल जीतने वाली **फ्लोरा डफी** है।

विज्ञान कॉर्नर

विभिन्न तत्वों से परिचय

रसायनविज्ञान

वर्ग - 9-10

तत्व (Element)

कॉपर(Copper)

संकेत (symbol)- **Cu**

परमाणु संख्या (Atomic no.) -29

समूह (group)-11
आवर्त (period)-4
ब्लाक (block)-d
संयोजकता (valancy)-1
समस्थानिक (isotope)-4
इलेक्ट्रॉनिक विन्यास -$[Ar]3d^{10}4s^{1}$

परमाणु भार (A.weight) -63.546

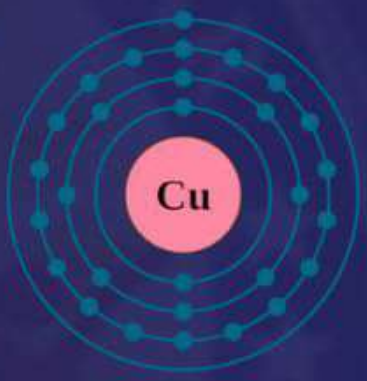

खोज

9000 BC पूर्व

भौतिक गुण

लाल-नारंगी रंग ,तन्य, उच्च तापीय धातु

रासायनिक गुण

विधुत सुचालक, अम्लों में धुलनशील

उपयोग

विधुत तारों, रेडिएटर, एयरकंडीशन, विधुत उत्पादों में

Anu priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
टी. बालासरस्वती
जन्म- 13 मई 1918
मृत्यु - 9 फरवरी 1984
Madhu priya
www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
एम.सी.छागला
जन्म-30 सितंबर 1900
मृत्यु- 9 फरवरी 1981
Madhu priya
Madhu priya
/teachersofbihar

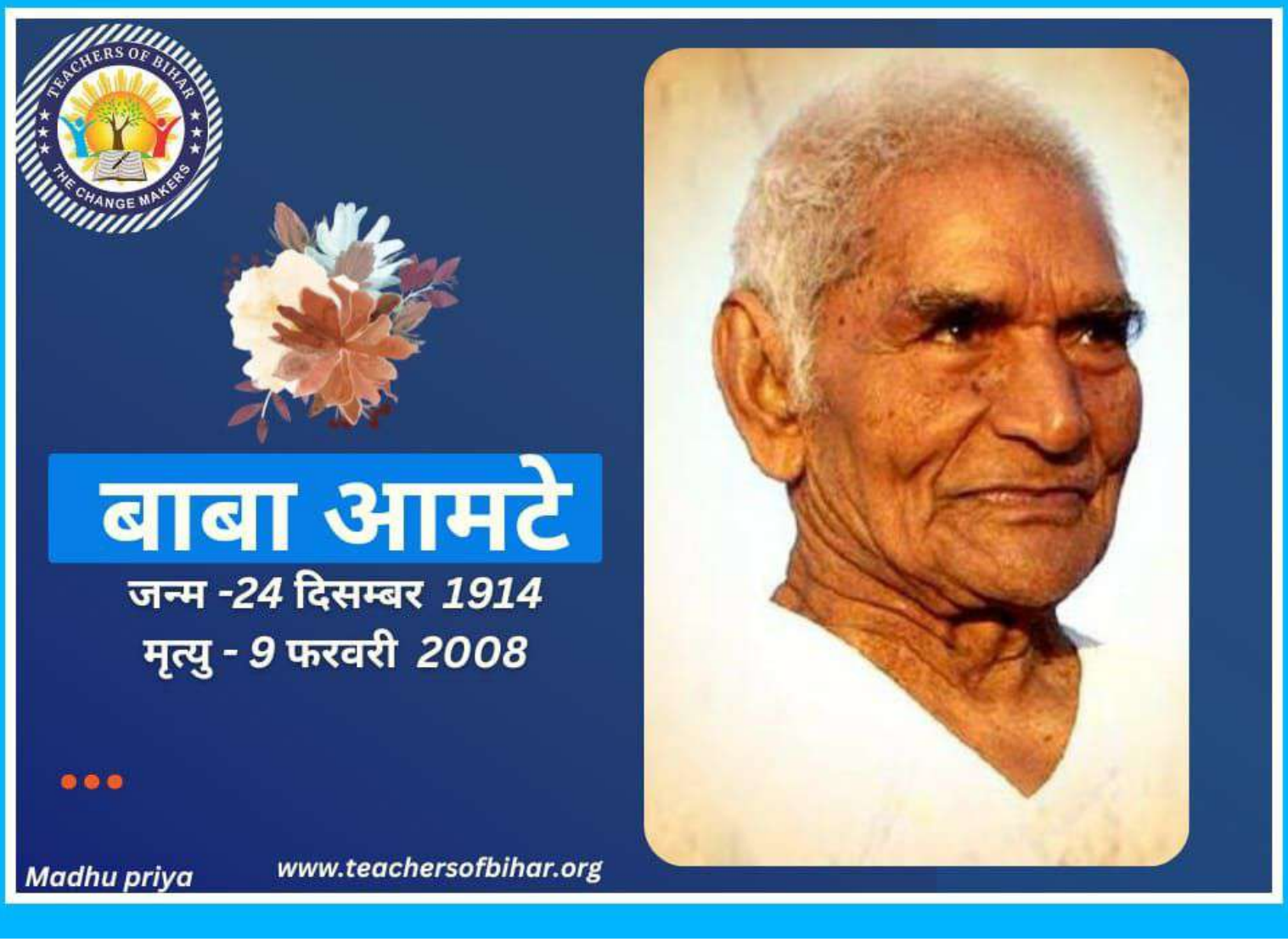

बाबा आमटे

जन्म -24 दिसम्बर 1914

मृत्यु - 9 फरवरी 2008

Madhu priya

www.teachersofbihar.org